खबर संक्षेप

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि व सरदार पटेल जयंती पर मैहर में होगा रक्तदान शिविर

मैहर। कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.वी.श्रीनिवासन के निर्देश तथा प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के मार्गदर्शन में मैहर में तीन दिवसीय विशेष आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेश घई,मैहर प्रभारी रामप्रताप कुशवाहा एवं जिला सेवादल अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र के नेतृत्व में 30 अक्टूबर को सिविल अस्पताल मैहर में सुबह 10 बजे से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।सेवादल अध्यक्ष अरुण तनय मिश्र ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस और सरदार वल्लभभाई पटेल की राष्ट्रीय एकता जयंती के उपलक्षय में 29 से 31 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। उन्होंने सभी कांग्रेसजनों,व्यापारियों,समाजसेवियों और विद्यार्थियों से इस 'रक्तदान महादान' शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और पीड़ित मानवता की सेवा में सहयोग करने की अपील की है।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठकः ब्लैक स्पॉट सुधारने और 'राहवीर योजना' पर तेजी से काम करने के निर्देश

मैहर। कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक उच्चस्तरीय बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर ने एनएच-30 पर चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए त्वरित और प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परिवहन और स्वास्थ्य विभाग को समन्वय बनाकर 'राहवीर योजना' के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर इलाज सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा मैहर शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात सुचारू करने हेतु बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व नागरिकों को दोपहिया चलाते समय हेलमेट और कार में सीट बेल्ट के प्रयोग के प्रति जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया।

मैहर नगर पालिका परिषद की बैठक में भ्रष्टाचार के आरोपः वार्डों में विकास कार्य ठप होने पर हंगामा

मैहर। नगर पालिका परिषद की बैठक में वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद ध्यानेश धर्मेश घई ने नगर की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मैहर में विकास कार्यों के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है,जबकि धरातल पर जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए त्रस्त है। पार्षद श्री घई ने सवाल उठाया कि 'कायाकल्प योजना' के तहत बनाई गई सड़कें कुछ ही समय में उखड़ क्यों गईं और बार-बार खुद रही इन सड़कों के निर्माण की जवाबदेही किसकी है? उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित के कार्यों को दरकिनार कर सारा ध्यान केवल ठेकेदारी और कमीशनखोरी पर केंद्रित हो गया है। उखड़ी सड़कों और बदहाल व्यवस्थाओं से जूझ रही जनता का गुस्सा फूट रहा है। उन्होंने परिषद से निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराने और लंबित विकास कार्यों को तत्काल पूरा करने की पुरजोर मांग की है।

परिषद की बैठक में विकास के मुद्दों पर भारी पड़ी नामकरण की सियासत, ट्रेड लाइसेंस फीस बढ़ाने पर भी घमासान

सतना। नगर निगम परिषद की बुधवार को आयोजित सामान्य बैठक विकास कार्यों पर चर्चा के बजाय मुख्य रूप से नामकरण की राजनीति और तीखी नोकझोंक का अखाड़ा बन गई।शहर की बदहाल सड़कों, पेयजल और बुनियादी सुविधाओं जैसे गंभीर मुद्दों को दरकिनार कर पार्षदों का पूरा फोकस सड़कों,चौराहों और मोहल्लों के नाम बदलने पर रहा। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई बार तीखी बहस हुई और सदन में जमकर नारेबाजी भी गूंजी। बैठक में पहुंचे स्थानीय विधायक ने भी नगर निगम की कार्यशैली और प्राथमिकताओं पर तीखे सवाल उठाए।



नामकरण पर भिड़े पार्षद,सदन में लगे नारे

बैठक के एजेंडे में विभिन्न वार्डों,सड़कों,तालाबों और चौराहों के नामकरण के कई प्रस्ताव शामिल थे, जिन पर जमकर हंगामा हुआ। पीएम आवास चौराहा (उतैली): इस चौराहे का नाम सहस्त्रबाहु के नाम पर रखने के प्रस्ताव का एल्डरमैन सौरभ नायक ने विरोध किया और इसके स्थान पर 'दीनदयाल पुरम' नाम रखने का सुझाव दिया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष पंकज कुशवाहा और एल्डरमैन के बीच तीखी बहस छिड़ गई और सदन में 'दीनदयाल अमर रहे' व 'सहस्त्रबाहु की जय' के नारे गूंजने लगे।

धवारी स्टेडियमः धवारी स्टेडियम के नामकरण पर भी सहमति नहीं बन सकी। महापौर परिषद (एम आई सी) की ओर से स्व.शंकर प्रसाद ताम्रकार के नाम का प्रस्ताव रखा गया था,जबकि विपक्ष स्वर्गीय अर्जुन सिंह के नाम पर अड़ा रहा। आम सहमति न बनने के कारण इस प्रस्ताव को फिलहाल होल्ड कर दिया गया है। अन्य मुद्देः बम्हंगवा के मोहल्लों और गलियों के नामकरण को लेकर भी पार्षदों में तकरार हुई। वहीं, कांग्रेस पार्षदों द्वारा पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी के नाम पर चौराहे का नाम रखने और मूर्ति स्थापित करने के सुझाव पर महापौर ने स्पष्ट किया कि तिवारी परिवार की इसके लिए सहमति नहीं है। इसके अलावा,पार्षद मीना माधव ने बैठकों में 'पार्षद पतियों' की बढ़ती दखलंदाजी और भूमिका पर कड़ा ऐतराज जताया।

विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा की एंट्री,निगम पर कसा तंज

बैठक में कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा का पहुंचना मुख्य राजनीतिक आकर्षण रहा।वे आमतौर पर निगम की बैठकों से दूर रहते हैं,लेकिन हाल ही में महापौर योगेश ताम्रकार द्वारा विकास की अनदेखी के आरोपों के बाद वे सदन में पहुंचे।विधायक ने निगम और महापौर के बीच हुए पत्राचार से जुड़े करीब 50 पत्र सदन के पटल पर रखे और लगभग 20 मिनट तक शहर के मुद्दों पर सरकार को घेरा। नामकरण की राजनीति पर तंज कसते हुए विधायक ने कहा,जब निगम में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के काउंटर हैं,तो एक काउंटर नामकरण का भी खोल दिया जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि हजारों करोड़ रुपये का बजट और करीब 500 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर वाले नगर निगम क्षेत्र में आज भी लोग चलने लायक सड़कों के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शहर के विकास के लिए भोपाल से लेकर दिल्ली तक संघर्ष करने की बात कही। हालांकि,राजनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा रही कि पिछले पांच साल के अपने कार्यकाल और मौजूदा कार्यकाल के दौरान शहर की दुर्दशा पर अब जाकर सदन में मुखर हुए विधायक की यह सक्रियता क्या आगे भी बरकरार रहेगी?

ट्रेड लाइसेंस की बढ़ी दरों पर भी उठा सवाल

बैठक में केवल नामकरण ही नहीं,बल्कि व्यवसायियों से जुड़ा एक अन्य अहम मुद्दा भी गरमाया। एजेंडे में मोबाइल शॉप,जिम,शोरूम,व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों के ट्रेड लाइसेंस शुल्क में कई गुना वृद्धि के प्रस्ताव शामिल थे। इन बढ़ी हुई दरों से व्यापारियों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को लेकर भी पार्षदों के बीच चिंता और चर्चा का विषय बना रहा। अब शहर की जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सदन के भीतर उठी इन आवाजों और बहसों का शहर की बदहाल सड़कों,साफ-सफाई और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं के समाधान में कितना असर दिखाई देता है।

अनियंत्रित कार ट्रांसफार्मर में घुसीः बड़ा हादसा टला,बिजली सेवा ठप

सतना।



अमरपाटन थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लालपुर स्थित गौरी शंकर तालाब के पास एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते बाल-बाल बच गया। एक तेज रफ्तार कार अचानक सड़क पर कुत्ते के आ जाने के कारण अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के ट्रांसफार्मर से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,कार की गति तेज थी और अचानक सामने आए कुत्ते को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन पर से संतुलन खो दिया। कार सीधे बिजली के ट्रांसफार्मर में जा घुसी। गनीमत यह रही कि दुर्घटना होते ही क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति स्वचालित रूप से या तकनीकी खराबी के कारण तुरंत बंद हो गई। यदि बिजली चालू रहती तो कार में करंट फैलने से चालक की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। घटना में कार चालक पूरी तरह सुरक्षित है और उसे किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई है। हादसे के तुरंत बाद पूरे इलाके की बिजली बाधित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अमरपाटन थाना पुलिस,112 डायल टीम और बिजली विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। बिजली विभाग की टीम द्वारा ट्रांसफार्मर और आपूर्ति को दुरुस्त करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है।

एकेएस विश्वविद्यालय में करवा चौथ विशेष प्रदर्शनी का पहला दिन उत्साह के साथ संपन्न

सतना। करवा चौथ के पर्व को ध्यान में रखते हुए एकेएस विश्वविद्यालय, सतना के डिजाइन विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय विशेष प्रदर्शनी का पहला दिन उत्साह के साथ संपन्न हुआ। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने पारंपरिक पर्व से जुड़ी कला,सजावट और आधुनिक डिजाइन का सुंदर मेल प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय के डिजाइन विभाग के शिक्षकों के मार्गदर्शन में बी.डिजाइन और फैशन डिजाइन डिप्लोमा के विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार की करवा थाली,डिजाइनर चुनरी,की-रिंग और सजावटी वस्तुओं का प्रदर्शन किया।करवा चौथ की परंपराओं और त्योहार की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इन उत्पादों को आगंतुकों ने पसंद किया।यह दो दिवसीय आयोजन है,जिसमें विद्यार्थी अपनी तैयार की गई कलात्मक वस्तुओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।



मां शारदा मंदिर में सुरक्षा गार्डों और कर्मचारियों को दिया गया विशेष आपातकालीन प्रशिक्षण

मैहर। प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर परिसर में आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चाक-चौबंद बनाने के उद्देश्य से रोपवे प्रबंधन द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल के तहत अधीनस्थ कर्मचारियों और सुरक्षा गार्डों को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।



पटाखा विक्रय में सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य,उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

मैहर। दीवाली पर्व के मद्देनजर जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने जिले के सभी अस्थायी और स्थायी पटाखा लाइसेंसधारियों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पटाखों के भंडारण,परिवहन और विक्रय के दौरान विस्फोटक नियमों का पूरी तरह पालन करना अनिवार्य होगा।

दो बाइकों में भीषण भिड़ंत, 3 गंभीरः एम्बुलेंस न मिलने पर निजी वाहन से पहुंचे अस्पताल

सतना। उचेहरा थाना अंतर्गत रगला मार्ग स्थित कठार के अंधे मोड़ पर दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में दोनों गाड़ियों में सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटनाक्रम के अनुसार,अनुज कोल (पिता स्व.श्यामलाल) घर का जरूरी सामान लेकर कठार जा रहे थे। इसी दौरान सामने से रगला निवासी पूर्व जनपद सदस्य का पुत्र बाइक से उचेहरा की ओर आ रहा था। कठार के अंधे मोड़ पर दोनों की मोटरसाइकिलें अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गईं। दुर्घटना इतनी तीव्र थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए उचेहरा सामुदायिक केंद्र लाया गया,जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सतना के लिए रेफर कर दिया। आरोप है कि डॉक्टर द्वारा सूचना दिए जाने के बावजूद काफी देर तक सरकारी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। आपातकालीन सेवा में देरी के कारण परिजनों को मजबूरन निजी वाहन की व्यवस्था कर घायलों को सतना ले जाना पड़ा। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य विभाग और एम्बुलेंस व्यवस्था की लापरवाही को लेकर गहरा आक्रोश है।



अस्पताल रोड पर आधा दर्जन सांडों का तांडवः राहगीरों में मची अफरा-तफरी,सुरक्षा पर उठे सवाल

सतना। शहर के सबसे व्यस्ततम और संवेदनशील इलाकों में से एक 'जिला अस्पताल रोड' पर आवारा पशुओं के आतंक से एक बार फिर बड़ा हंगामा देखने को मिला। सड़क पर अचानक आधा दर्जन सांडों के झुंड ने आपस में लड़ते हुए तांडव मचाना शुरू कर दिया,जिससे सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों और मरीजों के परिजनों के बीच भगदड़ और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक,लगभग आधा दर्जन सांड अचानक बीच सड़क पर एक-दूसरे से भिड़ गए। सांडों की लड़ाई इतनी उग्र थी कि सड़क किनारे खड़ी कई मोटरसाइकिलें गिरकर क्षतिग्रस्त हो गईं। सड़क पर पैदल चल रहे लोग और वाहनचालक अपनी जान बचाने के लिए आसपास की दुकानों और गलियों में भागते नजर आए। अस्पताल मार्ग होने के कारण यहां मरीजों और एम्बुलेंस की लगातार आवाजाही बनी रहती है,ऐसे में इस प्रकार की घटना से बड़ी दुर्घटना का खतरा बना रहा। लगभग आधे घंटे तक सड़क पर यातायात पूरी तरह बाधित रहा।स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों ने कड़ी मशक्कत के बाद सांडों के झुंड को वहां से खदेड़ा,तब जाकर यातायात सामान्य हो सका।स्थानीय निवासियों ने नगर निगम प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि शहर में आवारा मवेशियों की धरपकड़ न होने से रोज ऐसी स्थितियां निर्मित हो रही हैं।

त्योहारों पर रेलवे का बड़ा तोहफाः पुणे-दानापुर स्पेशल ट्रेन का ऐलान; रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस की समय-सारणी में संशोधन

सतना। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। एक तरफ जहाँ रेलवे द्वारा पुणे-दानापुर-हड़पसर के बीच 9-9 फेरों (ट्रिप्स) के लिए विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन (01441/01442) चलाने का निर्णय लिया गया है,वहीं दूसरी तरफ यात्रियों की सुविधा के लिए रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस (12427/12428) की समय-सारणी में आंशिक संशोधन किया गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की समय-सारणी की सही जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

पुणे-दानापुर-हड़पसर स्पेशल ट्रेन (01441/01442) के 09-09 फेरे

यह स्पेशल ट्रेन त्योहारों के दौरान यात्रियों को आवागमन में राहत प्रदान करेगी और पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य स्टेशनों (इटारसी,पिपरिया,नरसिंहपुर,मदनमहल,कटनी,मैहर एवं सतना) से होकर गुजरेगी।

गाड़ी संख्या 01441 (पुणे-दानापुर स्पेशल):अवधिः 01 नवंबर से 13 नवंबर 2026 (कुल 09 ट्रिप)

रविवार,बुधवार,गुरुवार,शुक्रवार एवं शनिवार पुणे से रात 19:40 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 07:00 बजे दानापुर पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 01442 (दानापुर-हड़पसर स्पेशल): 03 नवंबर से 15 नवंबर 2026 (कुल 09 ट्रिप)

मंगलवार,शुक्रवार,शनिवार,रविवार एवं सोमवार दानापुर से सुबह 08:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन शाम 17:35 बजे हड़पसर पहुँचेगी। इस ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे,जिनमें 06 शयनयान (स्लीपर), 10 सामान्य (जनरल) और 02 एसएलआरडी डिब्बे शामिल हैं।

रीवा-आनंद विहार-रीवा एक्सप्रेस की समय-सारणी में संशोधन

उत्तर रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 12427/12428के समय में आंशिक संशोधन किया गया है,जो 28 अक्टूबर 2026 से लागू कर दिया गया है।

संशोधित समय का विवरणः

गाड़ी संख्या 12427 (रीवा-आनंद विहार टर्मिनल):
रीवा से अपने निर्धारित समय शाम 16:20 बजे ही चलेगी। गाजियाबादः आगमन सुबह 06:18/प्रस्थान 06:20 बजे। आनंद विहार टर्मिनलः अब सुबह 06:55 बजे पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 12428 (आनंद विहार टर्मिनल-रीवा):

आनंद विहार टर्मिनल से रात 22:10 बजे प्रस्थान करेगी। गाजियाबादः आगमन 22:40/प्रस्थान 22:42 बजे। अलीगढ़ जंक्शनः आगमन 23:50/प्रस्थान 23:52 बजे। झिंझकः आगमन 02:24/प्रस्थान 02:25 बजे (अगले दिन)। कानपुर सेंट्रलः आगमन 03:20/ प्रस्थान 03:25 बजे। फतेहपुरः आगमन 04:20/प्रस्थान 04:22 बजे। सिराथूः आगमन 04:58/प्रस्थान 05:00 बजे। प्रयागराज जंक्शनः आगमन 06:05/प्रस्थान 06:10 बजे। उक्त स्टेशनों के अलावा ट्रेन का अन्य सभी स्टेशनों पर आगमन व प्रस्थान का समय पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ही रहेगा।

यात्रियों के लिए जरूरी सूचना

ट्रेनों के ठहराव,समय-सारणी और अन्य विस्तृत जानकारी के लिए यात्री राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली, रेलवे हेल्पलाइन 139,आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित रेलवे स्टेशन के पूछताछ काउंटर से संपर्क कर सकते हैं।

जसो के देवगुना में पुरानी रंजिश या विवाद में कुल्हाड़ी से हमला

सतना। जसो थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव देवगुना में एक युवक पर जानलेवा हमले की सनसनी खेज घटना सामने आई है। गांव के ही एक सिरफिरे युवक ने धारदार हथियार (कुल्हाड़ी) से हमला कर एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार,सुरेश लोधी पर लेखराम लोधी नामक युवक ने अचानक कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया।हमले में कुल्हाड़ी सुरेश लोधी के सिर पर जा लगी,जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े, जिसे देख आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल सुरेश लोधी को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए जसो स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। डॉक्टरों ने सिर पर आई गंभीर चोट और अत्यधिक खून बहने की स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सतना रेफर कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही जसो थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी लेखराम लोधी की तलाश में जुट गई है। हमले के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

अर्नब तूफान का असरः सतना में बदले मौसम के मिजाज, दिन भर छाए रहे बादल

सतना। अत्यंत प्रचंड चक्रवाती तूफान 'अर्नब' (ओरनब) के प्रभाव से विंध्य क्षेत्र और सतना के मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। बुधवार को दिन भर आसमान में घने बादल छाए रहे और हल्की बारिश के कारण मौसम में काफी ठंडक घुल गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार,बुधवार को सतना का अधिकतम तापमान 29.2C तथा न्यूनतम तापमान 20.5C दर्ज किया गया। हवा में नमी (आर्द्रता) 74% से 64% के बीच रही,जबकि शाम 5:30 बजे तक 1.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

'अर्नब' तूफान की स्थिति

मौसम विभाग ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटीय क्षेत्रों के लिए 'रेड मैसेज' (अत्यंत सतर्कता) जारी की है। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में स्थित यह तूफान आंध्र प्रदेश तट के बेहद करीब स्थिर था। इसके यानम के ठीक दक्षिण में बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट से टकराने की प्रक्रिया जारी है। इस दौरान तटीय इलाकों में 115 से 125 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं,जिनके झोंके 140 किमी प्रति घंटे तक पहुंच रहे हैं। इसी भीषण चक्रवात का अप्रत्यक्ष असर मध्य प्रदेश के सतना सहित आसपास के जिलों में देखने को मिल रहा है।

खबर संक्षेप

थाना प्रभारी रोहित मिश्रा ने संभाली अमानगंज थाने की कमान



अमानगंज। पन्ना जिले की पुलिस कार्य व्यवस्था में हुए परिवर्तन को लेकर गत दिवस जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा कोतवाली पन्ना में पदस्थ थाना प्रभारी रोहित मिश्रा को अमानगंज थाना स्थानांतरित कर दिया गया। जहां आज उन्होंने 28 अक्टूबर 2026 को अपना पदभार सभालते हुए स्थानीय पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि थाना क्षेत्र में पूरी तरह शांति होगी। जुआ, सट्टा, अवैध शराब सहित सभी अपराधों पर पुलिस की रोक रहेगी। साथ ही उन्होंने यातायात व्यवस्था को भी मजबूत करने को कहा और जो भी फरियादी अमानगंज थाना पहुंचेगे उसकी पुलिस पूरी तरह से मदद करेगी और सत्य एवं असत्य की छानबीन करके अपराधों पर नियंत्रण कसेगी। साथ ही स्थानीय एवं क्षेत्रीय जनता से अपील की है कि क्षेत्र में कोई भी अवैधानिक कार्य किसी को दिखाई दें तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

मेनहा में 11 वर्षीय मासूम ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात



पवई। पवई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मेंहा में अज्ञात कारणों के चलते 11 वर्षीय मासूम बालिका की फंदे पर लटकने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में शोक का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मेनहा निवासी सरस्वती प्रजापति 11 वर्ष पिता ब्रजेश प्रजापति, मुड़वारी के चंद्र ज्योति विद्या मंदिर में कक्षा छठवीं की छात्रा थी। बालिका के पिता ब्रजेश प्रजापति ने बताया कि वह रोजाना की तरह सुबह करीब 9रू30 बजे अपना ऑटो लेकर घर से निकल गए थे। उनकी बेटी स्कूल का कह कर गई थी, जबकि पत्नी घर से पानी लेने गई थी। पिता के अनुसार, दोपहर उनकी पत्नी गायों को बांधने वाले स्थान पर पहुंची, जहां बेटी को फंदे पर लटका हुआ देखा। घटना सामने आने के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई।घटना के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है,ओर जांच जारी है।

जल संसाधन संभाग पन्ना में लोकायुक्त ने की कार्यवाही

जल संसाधन विभाग में रिश्वत लेते दो कर्मचारी रंगे हाथ पकड़े गए

रिश्वत लेते दो कर्मचारी रंगे हाथ पकड़े गए] संभागीय लेखा अधिकारी दीपक परिहार 15,000 और लिपिक अरविंद पाठक 30,000 रिश्वत लेते सफल ट्रैप कार्यवाही

पन्ना। जल संसाधन विभाग में रिश्वत लेते दो कर्मचारी रंगे हाथ पकड़े गए। संभागीय लेखा अधिकारी दीपक परिहार 15,000 और लिपिक अरविंद पाठक 30,000 रिश्वत लेते पकड़े गए। आरोप है कि अजयगढ़ तहसील अंतर्गत मझगांव बांध परियोजना के सेल्यूस निर्माण कार्य के भुगतान के एवज में ठेकेदार गौरव तोमर ग्वालियर वैष्णव कंस्ट्रक्शन कंपनी से रिश्वत मांगी जा रही थी।



आवेदक गौरव तोमर पिता शेर सिंह तोमर उम्र 42 वर्ष 135ए मयूर नगर थाटीपुर ग्वालियर आरोपी् 1. दीपक सिंह परमार पिता शिववरण सिंह उम्र 38 वर्ष पद संभागीय लेखा अधिकारी जल संसाधन विभाग पन्ना जिला सागर आरोपी- 2 अरविंद कुमार पाठक पिता स्वर्गीय श्री राम खिलावन उम्र 58 वर्ष पद सहायक ग्रेड-2। आवेदक गौरव तोमर जो लोक निर्माण विभाग भोपाल में पंजीकृत ठेकेदार है इनके द्वारा जल संसाधन विभाग पन्ना द्वारा जारी निविदा के माध्यम से मझगांय मध्यम परियोजना अंतर्गत ग्राम मझगांय मजरा बालूपुर में आर डी 1860 मी. सेडल बाध नंबर 1 पर कैनाल स्लूस का निर्माण कार्य करने का कार्य प्राक्कलन राशि 118.58 लाख रूपये से 36.88 प्रतिशत कम दर 74.84 लाख रूपये पर प्राप्त किया था। आवेदक द्वारा निविदा प्राप्त करने के बाद कार्य को प्रारंभ कर दिया था किये गये कार्य का समय-समय पर जल संसाधन विभाग पन्ना द्वारा तीन बार भुगतान किया गया है, किये गये शेष कार्य का अंतिम भुगतान लगभग 25 लाख रू प्राप्त होना शेष है। पूर्व में प्राप्त किये गये तीनों भुगतान की राशि लगभग 55 लाख रूपये में से दीपक सिंह परमार डी.ए.ओ द्वारा कुल भुगतान राशि में से 0.35 पैसे एवं अरविंद कुमार पाठक सहायक



वर्ग 2 जल संसाधन विभाग पन्ना द्वारा कुल भुगतान राशि में से 0.70 पैसे कुल 1 रूपये 05 पैसे के हिसाब से लगभग 60000/- रिश्वत की मांग करने की शिकायत लोकायुक्त कार्यालय सागर में पुलिस अधीक्षक के समक्ष की थी। आवेदन पत्र का सत्यापन किया गया सत्यापन पश्चात 28/10/26 को दीपक सिंह परमार पद संभागीय लेखा अधिकारी को 15000 हजार रुपये एवं अरविंद कुमार पाठक पद सहायक ग्रेड 2 को 30000 हजार रुपये लेते हुए लोकायुक्त पुलिस सागर द्वारा पकड़ा गया अग्रिम कार्यवाही जारी है। ज्ञात हो कि पन्ना जिले में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है आए दिन लोकायुक्त पुलिस द्वारा छापा मार कार्यवाही की जा रही है उसके बावजूद भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। उक्त कार्रवाई में शामिल रहे लोकायुक्त पुलिस की टीम में कमल सिंह उइके उप पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त सागर श्रीमती रोशनी जैन निरीक्षक प्रधान आरक्षक सफीक खान आरक्षक गोल्डी पासी आरक्षक आदेश तिवारी प्रदीप दुबे निलेश चौबे अरविंद सिंह तथा अर्पित शामिल रहे।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही, देवेन्द्रनगर थाना क्षेत्र से स्कॉर्पियो कार से भैंस चोरी करने वाले गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार

चोरी किए गए 3 पशु बरामद कर, घटना में प्रयुक्त 2 स्कॉर्पियो कार कीमती करीब 5 लाख रुपये, 1 मोटरसाइकिल कीमती 80 हजार रुपये एवं नगदी की गई जप्त

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना के मार्गदर्शन में थाना देवेन्द्रनगर पुलिस टीम भैंस चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा करते हुए गिरोह के 04 आरोपियों को सतना जिले से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। आरोपियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जंगल एवं नर्सरी के आसपास चरने के लिए छोड़े गए पशुओं की रेकी कर स्कॉर्पियो वाहनों के माध्यम से चोरी की वारदातों को अंजाम दिया जाता था। पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त 02 स्कॉर्पियो कार, 01 मोटरसाइकिल एवं नगदी जप्त की गई है। 1. मुटवाकला जंगल से तीन भैंस चोरी- फरियादी मानसिंह यादव, निवासी ग्राम मुटवाकला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 27 सितंबर 2026 की रात जब भैंसो को जंगल में चरने के लिए छोड़ सो गया था। तब रात करीब 01रू30 बजे जब वह उठा और भैंसों को देखने गया तो वे मौके पर नहीं मिलीं। अज्ञात आरोपी उसकी तीनों भैंसें चोरी कर ले गए थे। 2. बसई मोड़-मुटवाकला रोड की नर्सरी से तीन भैंस चोरी- फरियादी कमल सिंह यादव, निवासी ग्राम बरचुआ, थाना देवेन्द्रनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपनी भैसो को दिनांक 19 सितंबर 2026 की रात करीब 09 बजे ग्राम मुटवाकला के जंगल स्थित नर्सरी की ओर चरने के लिए छोड़ दिया था। अगले दिन सुबह भैंसें वापस नहीं आईं। अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई है। 3. मुटवाकला नर्सरी क्षेत्र से भैंस एवं पड़िया चोरी- फरियादी तिलक सिंह यादव, निवासी ग्राम मुटवाकला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 14 सितंबर 2026 की रात करीब 11 बजे उसने अपनी एक भैंस एवं एक पड़िया को जंगल की नर्सरी की ओर चरने के लिए



छोड़ा था। अगले दिन सुबह दोनों पशु वापस नहीं आये। इस प्रकार तीसरी घटना में कुल तीन पशु चोरी हुए थे। उक्त तीनों घटनाओं में कुल 09 पशु(भैंसे) चोरी हुए, जिनकी अनुमानित कीमत 1,72,000 है।

पुलिस की कार्रवाई एवं घटनाओं का खुलासा- लगातार सामने आ रही भैंस चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा घटनाओं के शीघ्र खुलासे के लिए थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। साथ ही आरोपियों की पहचान एवं उनकी गतिविधियों का तकनीकी विश्लेषण करने के लिए साइबर सेल पन्ना को आवश्यक निर्देश दिए गए। गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थलों के आसपास एवं आरोपियों के संभावित आवागमन मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। प्राप्त फुटेज के आधार पर संदिग्ध वाहनों एवं आरोपियों की गतिविधियों की रूट मैपिंग की गई। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा साइबर सेल से प्राप्त तकनीकी सहायता का उपयोग करते हुए आरोपियों की पहचान सतना जिले के निवासियों के रूप में की गई। जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सतना जिले से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पूछताछ एवं विवेचना के आधार पर घटना में प्रयुक्त 02 स्कॉर्पियो कार, 01 मोटरसाइकिल एवं नगदी जप्त की गई है। मामले मे 03 भैंसे भी बरामद की गई है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नाम पता आरोपी- 01. जाफर अली उर्फ जफर पिता जाहिद अली उम्र 27 वर्ष निवासी गली नंबर 01 खथी वार्ड नंबर 27 सतना थाना सिटी कोतवाली जिला सतना 2. सीबू करेंशी उर्फ सान मोहम्मद पिता लल्लू कुरैशी उर्फ गुलाम मोहम्मद उम्र 30 साल निवासी गली नंबर 01 खुथी वार्ड क्र. 27 सतना थाना सिटी कोतवाली जिला सतना 3. महबूब खान उर्फ चोखे पिता मुन्ना खान उम्र 34 साल निवासी गली नं. 02 वार्ड क्र 27 जवाहरनगर खथी थाना सिटी कोतवाली जिला सतना म.प्र. 4. साहिल मंत्री पिता आजिम मंसूरी उम्र 27 साल निवासी मुन्ना डेयरी के पास मस्जिद के पीछे खुथी थाना सिटी कोतवाली जिला सतना म.प्र.।

जप्त मशरूका- घटना में प्रयुक्त 02 स्कॉर्पियो कार, 01 मोटरसाइकिल, नगद 4700 जप्त एवं 03 नग भैंसे की गय़ी बरामद।

तरीका-ए-वारदात- आरोपी ग्रामीण क्षेत्रों में जंगलों, नर्सरी एवं सुनसान स्थानों के आसपास रेकी करते थे, जहां पशुपालक अपनी भैंसों को चरने के लिए छोड़ते थे। पशुओं की स्थिति एवं आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद आरोपी मौका पाकर स्कॉर्पियो वाहनों के माध्यम से भैंसों को जबरन एवं निर्दयतापूर्वक वाहनों में भरकर चोरी कर ले जाते थे। इस प्रकार आरोपी अलग-अलग स्थानों पर पशु चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

सराहनीय भूमिका- उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि. अनिल सिंह राजपूत, सउनि सज्जन प्रजापती, प्र.आर. लक्ष्मी नारायण यादव, सतेन्द्र बागरी, आनन्द बागरी, राजीव मिश्रा, आर. बृजेन्द्र रैकवार, रोहित शिवहरे, राकेश पटेल, मृगेन्द्र तिवारी, पवन तिवारी, अमित बागरी, अंकित त्रिपाठी एवं सायबर सेल टीम का सराहनीय योगदान रहा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पन्ना में डिजिटल एवं एआई कौशल कार्यशाला आयोजित



साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल रोजगार के अवसरों से रू-ब-रू हुए विद्यार्थी

पन्ना। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान एवं रोजगारोन्मुखी कौशल से परिचित कराने के उद्देश्य से विज्ञान भवन स्थित भौतिक शास्त्र विभाग में "डिजिटल एवं एआई कौशल" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे.के. वर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पी.पी. मिश्रा के संरक्षण तथा स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. बी.एन. जायसवाल के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन रोजगार पोर्टल, रिज्यूमे निर्माण तथा डिजिटल कार्यकुशलता जैसे समसामयिक एवं उपयोगी विषयों पर विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की गई। मुख्य वक्ता श्री अरविन्द निषाद ने ने विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक के ज्ञान का उपयोग अपनी शैक्षणिक उन्नति, कौशल विकास एवं रोजगार की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए करने हेतु प्रेरित किया। सुश्री वर्षा सिंह ने डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्राध्यापक के साथ साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. जयपाल सिंह लोधी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक, साइबर सुरक्षा एवं एआई के व्यावहारिक महत्व को समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 30 अक्टूबर को

पन्ना। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में युवा उत्सव 2027 का आयोजन आगामी 30 अक्टूबर को जिला स्तर पर श्री जगन्नाथ स्वामी टाउन हॉल पन्ना में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। जिले के विजेता युवा और दल संभाग स्तर पर प्रतिभागिता करेंगे। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त युवा और दल को राज्य स्तर पर प्रतिभागिता का अवसर मिलेगा। युवा उत्सव के तहत समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, पेंटिंग, कविता लेखन और नुक्कड़ नाटक की पांच विधाओं में निर्धारित संख्या में युवा प्रतिभागी बन सकेंगे। इस वर्ष युवा शक्ति से जनभागीदारी के उद्देश्य से आगामी 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं के लिए राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जबकि सांस्कृतिक ट्रेक में निर्धारित पांच विधाओं का आयोजन नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत की थीम पर होगा। युवा व दल को माय भारत पोर्टल पर पंजीयन करना अनिवार्य है। इच्छुक युवाओं को आगामी 29 अक्टूबर तक आवेदन की सलाह दी गई है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए नजरबाग स्टेडियम स्थित विभाग के जिला कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

जल संसाधन विभाग में लोकायुक्त की कार्रवाई शासकीय विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का नमूना- अनीश खान

केन-बेतवा लिंक परियोजना में मुआवजे के नाम पर पटवारी की गिरफ्तारी के बाद अब जल संसाधन विभाग में रिश्वतखोरी का मामला, नवागत कलेक्टर से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की मांग



पन्ना। जल संसाधन विभाग के कार्यालय में लोकायुक्त की कार्रवाई में लेखापाल दीपक परिहार और लिपिक अरविंद पाठक की रिश्वत लेते गिरफ्तारी के मामले में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह घटना शासकीय विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार की स्थिति को उजागर करती है। आम नागरिकों और निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को अपने वैध कार्यों के लिए यदि रिश्वत की मांग का सामना करना पड़े, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अनीश खान ने कहा कि इससे पहले केन-बेतवा लिंक परियोजना में मुआवजे के नाम पर पटवारी के लोकायुक्त कार्रवाई में पकड़े जाने का मामला सामने आया था। अब जल संसाधन विभाग में रिश्वतखोरी के आरोपों पर लोकायुक्त की कार्रवाई हुई है। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से जिले में शासकीय कामकाज की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की आवश्यकता स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य आम जनता को राहत पहुंचाना और विकास कार्यों को गति देना है, लेकिन यदि विभागीय स्तर पर भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती हैं, तो इससे जनता का सरकारी व्यवस्था पर विश्वास प्रभावित होता है। भ्रष्टाचार के कारण विकास कार्यों की प्रक्रिया भी बाधित होती है और आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीश खान ने पन्ना के नवागत कलेक्टर हर्ष सिंह से मांग की है कि जिले के सभी शासकीय विभागों में भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली की समीक्षा, लंबित शिकायतों की निष्पक्ष जांच, अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने तथा रिश्वत मांगने संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

अमानगंज में धूमधाम से मनाई गई राज अजमीढ़ सिंह की जन्म जयंती, स्वर्णकार समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा



अमानगंज। नगर में स्वर्णकार समाज द्वारा राज अजमीढ़ सिंह की जन्म जयंती धूमधाम और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के लोगों ने नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। विधायक कार्यालय के सामने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। वहीं, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष हक्कुन दहायत ने माला पहनाकर स्वागत किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ दुबे ने भी शोभायात्रा का स्वागत कर समाज के लोगों को जयंती की शुभकामनाएं दीं। नगर में जगह-जगह हुए स्वागत से शोभायात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ा और आयोजन में सामाजिक एकता की झलक देखने को मिली। जयंती के अवसर पर सिद्धिविनायक वाटिका में मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्वर्णकार समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन के माध्यम से समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक परंपराओं और नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।राज अजमीढ़ सिंह की जन्म जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा और सम्मान समारोह ने अमानगंज नगर में उत्सव का माहौल बना दिया। समाज के लोगों ने एकजुट होकर जयंती समारोह को धूमधाम से मनाया।

कोतवाली थाना अन्तर्गत पिकअप वाहन चोरी के मामले का किया गया खुलासा

7 लाख रुपये कीमती चोरी गया पिकअप वाहन बरामद

एक आरोपी गिरफ्तार, चोरी की घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल की गई जप्त

पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना चौहान के मार्गदर्शन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं चोरी की घटनाओं के खुलासे हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पन्ना पुलिस द्वारा पिकअप वाहन चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे एवं निशानदेही से चोरी गया पिकअप वाहन तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल जप्त की गई है। फरियादी राजेन्द्र कुमार यादव पिता बल्देव प्रसाद यादव, निवासी वार्ड क्रमांक 18, रानीगंज मोहल्ला, पन्ना द्वारा दिनांक 25.10.2026 को थाना कोतवाली पन्ना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 24-25.10.2026 की दरमियानी रात पुरुषोत्तमपुर स्थित उनकी दुकान के बगल में खड़ा महिन्द्रा कंपनी का सफेद रंग का पिकअप वाहन क्रमांक डच 35 ळ। 0719 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी कर लिया गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना में अपराध क्रमांक 813/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले मे गठित पुलिस टीम द्वारा चोरी गए वाहन की तलाश एवं आरोपियों की



पतारसी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी दौरान मुखबिर सूचना प्राप्त हुई की चोरी गई पिकअप वाहन चंदला लवकुशनगर क्षेत्र मे देखा गया है मुखविर सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर रवाना हुई जहां दिनांक 27.10.2026 को भितरिया तिराहा के पास चोरी गए पिकअप वाहन के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम घनश्याम सिंह बैस पिता रणविजय सिंह बैस, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम धरमपुर, थाना बारीगढ़, जिला छतरपुर बताया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथी सौरभ सेंगर के साथ मिलकर पिकअप वाहन चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के बताए अनुसार पुलिस द्वारा चोरी गया पिकअप वाहन बरामद किया गया। विवेचना में यह भी सामने आया कि आरोपीगण चोरी की गई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल से पन्ना आए थे तथा उसी मोटरसाइकिल का उपयोग चोरी की घटना में किया गया था। पुलिस द्वारा उक्त मोटरसाइकिल को भी जप्त किया गया है।

जप्त मशरूका-

1. चोरी किया गया महिन्द्रा कंपनी का सफेद रंग का पिकअप वाहन क्रमांक 0719, अनुमानित कीमत 2,50,000/- 2. चोरी की घटना में प्रयुक्त एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल।

गिरफ्तार आरोपी- घनश्याम सिंह बैस पिता रणविजय सिंह बैस, उम्र 21 वर्ष, निवासी जानकी मंदिर के पास, ग्राम धरमपुर, पोस्ट खेराकसार, थाना बारीगढ़, जिला छतरपुर (म.प्र.)।

फरार आरोपी-' सौरभ सेंगर पिता कालका सेंगर, निवासी ग्राम बरहा, जिला छतरपुर। प्रकरण में शामिल उक्त आरोपी की तलाश की जा रही है। विवेचना के दौरान अन्य अपराधों से संबंधित संभावित संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

सराहनीय योगदान- थाना प्रभारी कोतवाली निरी0 हेमन्त नायक, उनि0 शक्ति प्रकाश पाण्डेय, प्र0आर0 खेमचन्द्र, बृषकेतु रावत, जीतेन्द्र मिश्रा, सन्तलाल सिंह, पुष्पेन्द्र मोर्य, आर0 अभिषेक यादव, अमित द्विवेदी,रामगोपाल शुक्ला एवं साय़बर सेल टीम पन्ना का सराहनीय योगदान रहा है।

खबर संक्षेप

रेलवे ट्रैक पर मिला 50 वर्षीय व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी

छतरपुर। स्थानीय सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सन्मति स्कूल के पीछे रेलवे ट्रैक के पास एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सटई रोड स्थित गल्ला मंडी के पीछे रहने वाले बृजेंद्र प्रजापति के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए अपनी जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल मौत के असली कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट हो सकेगी। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

नगर पालिका अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, मेला दुकानों के आवंटन में वसूली की शिकायत

छतरपुर। नगर पालिका में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का मामला एक बार फिर गरमा गया है। पार्षद प्रतिनिधि सुरेंद्र साहू ने नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। सुरेंद्र साहू का आरोप है कि आगामी मेले को लेकर नगर पालिका प्रशासन द्वारा दुकानों के नाम पर जमकर अवैध वसूली की जा रही है, जबकि व्यवस्थाओं के नाम पर शून्य काम हुआ है। सुरेंद्र साहू ने बताया कि मेले के आयोजन को लेकर नगर पालिका की ओर से न तो कोई आधिकारिक बैठक बुलाई गई और न ही कोई रूपरेखा तैयार की गई है। इतना ही नहीं, जनप्रतिनिधि होने के बावजूद पार्षदों को मेले से जुड़ी किसी भी प्रक्रिया या जानकारी से पूरी तरह वंचित रखा गया है। उन्होंने मेला प्रभारी सब इंजीनियर गोकुल प्रजापति पर दुकानदारों से अवैध वसूली करने के भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि इस बार मेले में अत्यधिक छोटी और संकरी गलियां बनाई गई हैं, जिससे किसी भी वक्त बड़ा हादसा होने का डर बना हुआ है। यदि मेले में कोई दुर्घटना या आगजनी जैसी स्थिति बनती है, तो संकरे रास्तों के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर नहीं पहुंच सकेगी।आरोप लगाने के दौरान सुरेंद्र साहू के साथ पार्षद दीपेंद्र असाटी, पार्षद प्रतिनिधि अजय कबीर तथा कालीचरण सेन प्रमुख रूप से मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जब वे इन समस्याओं और आरोपों पर बात करने नगर पालिका पहुंचे, तो वहां कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं मिला और न ही कोई अधिकारी इस विषय पर संतोषजनक जवाब देने को तैयार है। पार्षदों ने इस मामले में उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और मेले की सुरक्षा व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

पहले मारपीट, फिर राजीनामे का दबाव और जहरीला पदार्थ पिलाने का आरोप, हत्या का केस दर्ज करने की मांग पर अड़े परिजन

मजदूरी के 50 रुपये मांगने पर विवाद मजदूर की मौत के बाद चौराहे पर जाम

नौगांव। मजदूरी के महज 50 रुपये मांगने को लेकर शुरू हुआ विवाद मजदूर की मौत के बाद गंभीर रूप ले गया। वार्ड क्रमांक 18 निवासी धर्मपाल अहिरवार की छतरपुर जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने जीतेन्द्र उर्फ जीतू साहू और उसके माता-पिता पर मारपीट करने, पुराने मामले में राजीनामा करने का दबाव बनाने और जबरन जहरीला पदार्थ पिलाने के आरोप लगाए हैं। आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग को लेकर बुधवार को परिजनों ने तहसील चौराहे पर जाम लगा दिया।



50 रुपये की मजदूरी को लेकर हुआ था विवाद

मृतक की पत्नी द्वारा पुलिस को दिए गए आवेदन के अनुसार, धर्मपाल ने सब्जी मंडी में जीतेन्द्र उर्फ जीतू साहू से मजदूरी के 50 रुपये मांगे थे, जिसमें से 30 रुपये दिए गए थे। इसी बात को लेकर 22 अक्टूबर को जीतेन्द्र, उसके पिता गौरीशंकर साहू और मां ने कथित तौर पर लाठी-डंडों से मारपीट की थी। इस मामले में पुलिस ने धर्मपाल की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया था। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद उन्हें सीटी स्कैन के लिए जिला अस्पताल छतरपुर भेजा गया था।

राजीनामा नहीं करने पर जहरीला पदार्थ पिलाने का आरोप -

पत्नी के मुताबिक, 27 अक्टूबर को सुबह धर्मपाल सब्जी मंडी गए थे। सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच उनके बेटे सौरभ को सूचना मिली कि धर्मपाल को सीटी स्कैन के लिए छतरपुर ले जाना है। इसके बाद सौरभ अपने दोस्त राहुल के साथ उन्हें लेने मंडी पहुंचा। पत्नी का आरोप है कि वहां धर्मपाल जीतेन्द्र साहू की दुकान पर पड़े मिले। उन्होंने बेटे और उसके दोस्त को बताया कि पुराने मामले में राजीनामा नहीं करने पर जीतेन्द्र और उसके माता-पिता ने उनके साथ मारपीट की और जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया। परिजन धर्मपाल को पहले सिविल अस्पताल नौगांव लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया, जहां 27 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पत्नी का कहना है कि धर्मपाल रास्तेभर मारपीट और जबरन जहरीला पदार्थ पिलाने की बात बताते रहे।

मजदूर की मौत के बाद परिजनों ने तहसील चौराहे पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर एसडीओपी अमित मेश्राम मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन एसपी को मौके पर बुलाने और आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। देर शाम तक प्रदर्शन जारी रहने से यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने वाहनों को दूसरे मार्गों से डायवर्ट किया।मृतक की पत्नी ने जीतेन्द्र उर्फ जीतू साहू, गौरीशंकर साहू और जीतेन्द्र की मां के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगी।

किसानों को अच्छी किस्म के बीज उपलब्ध कराने और यूरिया एवं एनपीके खाद के उठाव के लिए प्रेरित करने के निर्देश

अमानक स्तर के बीज मिलने पर करें कार्यवाही : कलेक्टर

छतरपुर। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एपीसी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया सहित कृषि, उद्यानिकी, मार्कफेड, सहकारिता, मत्स्य एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने खाद की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को यूरिया एवं एनपीके खाद के उठाव के लिए प्रेरित करें। जिन कृषकों ने एक बार खाद लेने के बाद दोबारा खाद प्राप्त किया है, उनका सत्यापन भी सुनिश्चित किया जाए।

फार्मर आईडी और केसीसी बनाने के निर्देश

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन किसानों की फार्मर आईडी अभी तक नहीं बनी है, उनकी आईडी शीघ्र बनवाई जाए। उन्होंने राजनगर के एसएडीओ को कार्य में सुधार लाने के निर्देश देते हुए नाराजगी जताई। साथ ही कृषि अधिकारी को सभी एसएडीओ के लिए लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। कलेक्टर ने एफआरए पट्टाधारियों के



किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनाने के निर्देश भी दिए।

बीज की गुणवत्ता जांचें, अमानक मिलने पर करें कार्रवाई -

कलेक्टर ने प्रमाणित बीज की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीज की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करें। सैंपलिंग के बाद अमानक स्तर का बीज पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। उन्होंने विगत वर्ष बोए गए बीजों से प्राप्त फसल की पैदावार की जांच कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराया जाए और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पशुपालन योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्य पूरा करने के निर्देश -

कलेक्टर ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत संचालित डॉ. भीमराव अंबेडकर योजना, कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर गौसंवर्धन योजना, चलित पशु चिकित्सा सेवा एवं राष्ट्रीय पशुधन मिशन सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की। योजनाओं की प्रगति पर असंतोष जताते हुए कलेक्टर ने विभाग के उपसंचालक को कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं के प्रकरण बैंकों से स्वीकृत कराएं और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें। बैठक में उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं और कार्यों की भी समीक्षा की गई।



लिखित आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ सुधार विश्वविद्यालय में भारतीय विद्यार्थी सेना का हल्लाबोल

छतरपुर। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं और पूर्व में दिए गए आश्वासन पर कार्रवाई न होने से नाराज भारतीय विद्यार्थी सेना ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में उग्र प्रदर्शन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विश्वविद्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया। लगभग एक घंटे तक चले इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा।

भारतीय विद्यार्थी सेना के नीतेश तिवारी ने बताया कि ने पूर्व में कुलपति को ज्ञापन सौंपकर परिसर में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा, पेयजल, बिजली और पठन-पाठन की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की थी। उस समय विश्वविद्यालय प्रबंधन ने लिखित में आश्वासन देकर मांगों को जल्द पूरा करने का वादा किया था। हालांकि, समय बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव न होने पर संगठन को पुनः आंदोलन की राह पकडऩी पड़ी। छात्रों ने मुख्य गेट पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती, पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, हर कक्षा में पीने के साफ पानी का प्रबंध करने, गर्मी के मौसम को देखते हुए पंखे व लाइट चालू कराने तथा छात्राओं के लिए अलग से तीन नए शौचालयों के निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके अलावा विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी दूर कर नियमित कक्षाएं संचालित करने पर जोर दिया गया।प्रदर्शन के दौरान लंबे समय तक चली नारेबाजी के बाद कुलसचिव अपने चेंबर से बाहर आए। उन्होंने प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों से बातचीत की और समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने का पुनः आश्वासन दिया। अब देखना यह होगा कि इस बार प्रबंधन अपने वादे पर कब तक अमल करता है। नीतेश तिवारी ने कहा कि अगर जल्द ही हमारी मांगे पूरी नहीं होती हैं तो विश्वविद्यालय में ताला लगाने के बाद कुलसचिव और कुलपति को सांकेतिक रूप से उनके चेम्बर से बाहर कर दिया जाएगा।

कानून का डर खत्म? मुख्य मार्केट में 4-5 युवकों ने युवक को बेरहमी से पीटा, सोशल मीडिया पर विडियो वायरल

लवकुशनगर। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए दबंगई का एक मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। जहां बुधवार की सुबह मुख्य मार्केट में चार से पांच युवकों ने मिलकर एक अन्य युवक की लात-घूंसों से बेरहमी से पिटाई कर दी। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने स्थानीय पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार यह घटना सुबह के वक्त की है जब मुख्य बाजार में अचानक चार-पांच लड़कों ने एक युवक को घेर लिया। बिना किसी डर भय के युवकों ने पीड़ित युवक पर ताबड़तोड़ लात घूंसे और बैल्ट बरसाने शुरू कर दिए। मुख्य मार्केट के व्यस्त इलाके में सरेआम हुई



इस गुंडागर्दी को देखकर वहां मौजूद लोग ने भी सुरक्षा व्यवस्था सवाल खड़े कर दिए है। मारपीट करने वाले संबंधित युवकों के हौसले इतने बुलंद थे कि उन्हें न तो कानून का डर था और न ही भीड़भाड़ वाले इलाके का कोई लिहाज।

हालांकि यह विवाद किस स्थिति में हुआ और दोनों पक्षों के बीच किस बात को लेकर कहासुनी हुई थी, इस बात का स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आ पाया है। पुलिस वीडियो के आधार पर मामले की जांच कर रही है और मारपीट करने वाले आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है, तो वही मामले को लेकर लवकुश नगर थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी का कहना है अभी मारपीट के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है अगर आवेदन प्राप्त होता है तो जरूर कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

लवकुशनगर। थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने भ्रमण के दौरान बाईपास रोड में गांजा संबंधी सूचना प्राप्त हुई। पुलिस टीम संबंधित स्थान पर पहुँची। संदेही ने भागने का प्रयास किया, घेराबंदी कर रोका गया। थैले की तलाशी लेने पर अवैध मादक पदार्थ गांजा प्राप्त हुआ। अवैध मादक पदार्थ 300 ग्राम गांजा कीमत करीब 4 हजार रुपये बरामद किया गया। अवैध मादक पदार्थ में संलिप्त आरोपी कल्लू पाठक पिता राम अवतार पाठक निवासी वार्ड क्रमांक 2, लवकुश नगर के विरुद्ध थाना लवकुशनगर में एनडीपीएस अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। विधिवत कार्यवाही कर न्यायालय उपस्थित होने हेतु पाबंद किया गया। उक्त कार्यवाही में एसडीओपी लवकुशनगर नितिन पटेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लवकुशनगर निरीक्षक त्रिवेंद्र त्रिवेदी, उप निरीक्षक ज्ञान सिंह, सहायक उप निरीक्षक कमला सिंह, आरक्षक बलराम, सूरज, देव सिंह, रामनिवास, बृजराज हिर्देश एवं टीम की भूमिका रही।

कोटवारों का उग्र प्रदर्शनः शासकीय कर्मचारी घोषित करने की मांग, मांगें पूरी न होने पर भोपाल में आंदोलन की चेतावनी



छतरपुर। मध्य प्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ के बैनर तले छतरपुर में कोटवारों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जमकर हुंकार भरी है। भारतीय मजदूर संघ के समर्थन के बाद शहर के अटल सभागार से एक विशाल रैली निकाली गई, जो कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुँची। यहाँ मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए कोटवारों ने खुद को शासकीय कर्मचारी घोषित करने और सेवा भूमि का अधिकार दिए जाने समेत कई प्रमुख मांगें उठाई हैं।

कोटवारों की मुख्य मांगें और समस्याएं

प्रदर्शन के दौरान संघ के जिलाध्यक्ष बाबूलाल राही और अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि राज्यभर के करीब 38 हजार कोटवार लंबे समय से प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार हैं। उनकी प्रमुख मांगों में शामिल हैं। कोटवारों को चतुर्थ श्रेणी का शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए। पीढ़ियों से चली आ रही सेवा भूमि को कोटवारों के नाम पर निजी स्वामित्व में दर्ज किया जाए। मानदेय में बढ़ोतरी की जाए और जिन कोटवारों के पास भूमि नहीं है, उन्हें समान वेतन के आधार पर वित्तीय लाभ मिले। सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली एक लाख रुपये की राशि का भुगतान समय पर हो। वर्दी के लिए मिलने वाली राशि ठेकेदारों द्वारा खाए जाने के बजाय सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजी जाए, ताकि वे अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार पैंट-शर्ट सिलवा सकें।

संघ के नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर मानदेय न मिलने और तहसीलों में सुनवाई न होने की इस समस्या का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आगामी 30 अक्टूबर को छतरपुर से कार्यकर्ता रवाना होकर 31 अक्टूबर को भोपाल में प्रदेशव्यापी उग्र धरना-प्रदर्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। वहीं एसडीएम जीएस पटेल ने कहा कि आज कोटवार संघ द्वारा एक ज्ञापन दिया गया है। जो मुख्यमंत्री को संबोधित है। ज्ञापन में कोटवारों की दो प्रमुख मांगे हैं जिनमें कोटवारों को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और शासन द्वारा इन्हें मिलने वाली जमीन को शासन की जगह निजी स्वामित्व दर्ज किया जाए। इस ज्ञापन को कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा जाएगा।

छतरपुर के विवादित बिजली अफसर अमर श्रीवास्तव का घोटाला एमडी तक पहुंचा

एक करोड़ रूपए से अधिक के खंभे लापता होने के मामले में की गई शिकायत

छतरपुर। छतरपुर के विद्युत विभाग में पदस्थ कार्यपालन यंत्री का खंभा घोटाला अब बिजली विभाग के आला अफसरों तक पहुंच गया है। इस मामले में शिकायतकर्ता ने विद्युत वितरण कंपनी के एमडी से मुलाकात कर शिकायती ज्ञापन उन्हें सौंपा है। बिजली विभाग के छतरपुर डिवीजन कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन यंत्री अमर श्रीवास्तव और उनके मेंटेनेंस अमले पर अपने पद और अधिकारों का घोर दुरुपयोग कर संगठित भ्रष्टाचार करने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने बुधवार को जबलपुर से खजुराहो के झंकार होटल में तीन मंडलों की बैठक लेने आए पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अजय गुप्ता (आईएएस) से मुलाकात कर शिकायत पत्र सौंपा। एमडी अजय गुप्ता ने मामले को गंभीरता से लेते हुए



आश्वासन दिया कि जांच उपरांत उचित कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

शिकायतकर्ता विवेक निगम ने बताया कि इससे पूर्व उन्होंने 1 अक्टूबर 2026 को भी जबलपुर कार्यालय को एक विस्तृत शिकायत पत्र भेजा था, जिसमें स्टोर से शासकीय विद्युत खंभों, लाइनों, कीमती उपकरणों और कबाड़ (स्क्रैप) की बड़े पैमाने पर चोरी का मुद्दा उठाया गया था, लेकिन उस पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायत पत्र के अनुसार, छतरपुर शहर के विद्युतीकरण सुदृढ़ीकरण और सड़क चौड़ीकरण के दौरान हटाए गए लगभग 300 पुराने एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 500 विद्युत खंभों को विभागीय स्टोर में जमा करने के बजाय डेंटिंग-पेंटिंग कर नए खंभों के रूप में रोड डिवाइडर के बीच दोबारा खड़ा कर दिया गया। इसके बाद नए खंभों की पूरी सरकारी राशि का फर्जी वाउचर व बिलिंग के जरिए गबन कर लिया गया।

इसके अलावा, कार्यपालन यंत्री पर मास्टर प्लान और रेरा के नियमों को दरकिनार कर अवैध कॉलोनियों के बिल्डरों को फायदा पहुंचाने, सरकारी धन से बिजली लाइनें बिछाने और नियम विरुद्ध ट्रांसफार्मर लगाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस घोटाले को छुपाने के लिए उनके द्वारा लगाए गए आरटीआई आवेदनों की जानकारी भी विभाग द्वारा दबा दी गई है। शहर में मेंटेनेंस और केबल बॉक्स शिफ्टिंग में भी घटिया सामग्री का उपयोग कर वित्तीय हेराफेरी की गई है। शिकायतकर्ता ने एमडी से निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने, दोषी अधिकारियों को निलंबित करने और प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है।

रीवा में कुत्तों की नसबंदी पर खर्च हो रहे लाखों

बाजार से कॉलोनियों तक झुंड का आतंक, दो सप्ताह में 40 से ज्यादा डॉग बाइट के मामले
अस्पतालों में बढ़ रही एंटी रेबीज इंजेक्शन की खपत

रीवा।

शहर की गलियों से लेकर बाजार और आवासीय कॉलोनियों तक आवारा कुत्तों की बढ़ती मौजूदगी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। कई इलाकों में कुत्तों के झुंड देखकर लोग रास्ता बदलने को मजबूर हैं। हालात यह हैं कि लोगों को हर समय कुत्तों के हमले का डर सता रहा है। सरकारी और निजी अस्पतालों में कुत्तों के काटने के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। सामान्य दिनों में शहर में हर महीने औसतन 50 से 60 डॉग बाइट के मामले सामने आने की बात कही जा रही है, लेकिन इन दिनों स्थिति ज्यादा चिंताजनक हो गई है। बीते करीब दो सप्ताह में ही 40 से अधिक लोग कुत्तों के काटने के बाद उपचार कराने पहुंचे हैं। एक ओर नगर निगम आवारा कुत्तों की आबादी नियंत्रित करने के लिए नसबंदी पर लाखों रुपए खर्च कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़कों और मोहल्लों में घूम रहे कुत्तों से लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। निगम ने जबलपुर की एनीमल केयर फाउंडेशन नामक संस्था को कुत्तों के बधियाकरण की जिम्मेदारी सौंपी है। संस्था को प्रति कुत्ते के बधियाकरण के लिए 1050 रुपए का भुगतान किया जा रहा है। करीब चार हजार कुत्तों के बधियाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हर महीने औसतन 150 से 200 कुत्तों के बधियाकरण का लक्ष्य है। इसके बावजूद मैदानी स्तर पर समस्या कम होती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब इस काम पर लगातार खर्च किया जा रहा है, तो फिर शहरवासियों को आवारा कुत्तों के आतंक से राहत क्यों नहीं मिल रही? आवारा कुत्तों की समस्या और बधियाकरण की प्रक्रिया को लेकर नगर निगम आयुक्त तक शिकायत हुई है, लोगों की मांग है कि संस्था के कामकाज की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि भुगतान वास्तविक



रूप से किए गए काम के आधार पर ही हो।

नसबंदी पर खर्च, लेकिन गलियों में अब भी झुंड

शहर के कई इलाकों में आवारा कुत्तों के झुंड सड़कों, बाजारों और रिहायशी कॉलोनियों में घूमते दिखाई देते हैं। सुबह टहलने निकलने वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। दोपहिया वाहन चालकों के सामने अचानक कुत्तों के आ जाने से भी परेशानी पैदा होती है। कई जगह कुत्तों के आक्रामक व्यवहार के कारण लोगों में डर बना हुआ है। नगर निगम की ओर से कुत्तों की नसबंदी के लिए बाकायदा संस्था को जिम्मेदारी दी गई है और प्रति कुत्ते के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है। इसके बावजूद आवारा कुत्तों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण नहीं दिखने से पूरी व्यवस्था की निगरानी और कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

चार-पांच दिन रखरखाव का प्रावधान

स्ट्रीट डॉग्स को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम और संबंधित संस्था के बीच तय शर्तों के अनुसार कुत्तों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत पकड़ा जाना है। बधियाकरण के बाद उनकी देखभाल के लिए चार से पांच दिन तक रखने का प्रावधान बताया गया है। वहीं, अधिक आक्रामक कुत्तों को उनके व्यवहार में सुधार होने तक निगरानी में रखने की शर्त भी बताई गई है। हालांकि, इस प्रक्रिया के पालन को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप हैं कि संस्था की ओर से तय शर्तों के मुताबिक काम नहीं किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोहल्लों से कुत्तों को पकड़कर ले जाने के दौरान पारदर्शिता का अभाव रहता है। कुछ कुत्तों को बधियाकरण के अगले ही दिन वापस छोड़ दिया जाता है। जबकि निर्धारित व्यवस्था के तहत उनकी देखभाल की जानी चाहिए।

दस हजार से ज्यादा लोगों को लग चुके एंटी रेबीज इंजेक्शन

कुत्तों के काटने की घटनाओं का अंदाजा अस्पतालों में लग रहे एंटी रेबीज इंजेक्शन की संख्या से भी लगाया जा सकता है। संजय गांधी अस्पताल में हर महीने औसतन एक हजार से अधिक डोज की खपत हो रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से सितंबर तक संजय गांधी अस्पताल और जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में लोगों को एंटी रेबीज के टीके लगाए गए हैं। संजय गांधी अस्पताल में जनवरी से मार्च के बीच करीब 3450 लोगों को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। इसके बाद अप्रैल से सितंबर तक संजय गांधी अस्पताल में 6246 और जिला अस्पताल में 2971 लोगों को टीके लगाए गए। अक्टूबर में भी कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 23 अक्टूबर तक दोनों अस्पतालों में करीब दो हजार इंजेक्शन लगाए जा चुके थे। इन आंकड़ों को जोड़ने पर जनवरी से 23 अक्टूबर तक दोनों अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने वाले लोगों की संख्या 10 हजार से काफी अधिक हो जाती है।

इंजीनियरिंग महाविद्यालय में तीन दिवसीय टेकफेस्ट का शुभारंभ

स्मार्ट रीवा 2030 थीम पर एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग एवं तकनीकी नवाचारों पर होगा मंथन



रीवा । इंजीनियरिंग महाविद्यालय, रीवा के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आई कंप्यूटेक्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड स्वीडन के सहयोग से 28 से 30 अक्तूबर तक तीन दिवसीय टेकफेस्ट एवं एआई वर्कशॉप 2026 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की थीम स्मार्ट रीवा 2030 रखी गई है। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं, सुशासन एवं स्मार्ट सिटी विकास के क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर केंद्रित नवाचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित वर्कशाप के मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के सचिव रघुराज एम. राजेंद्रन एवं अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी ने की। उद्घाटन सत्र में स्वीडन की कंपनी आई कंप्यूटेक्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड स्वीडन के चीफ टेक्निकल ऑफिसर पंकज मिश्रा एवं संस्थापक एवं सीईओ पुष्पेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। तीन दिवसीय टेकफेस्ट के उद्घाटन सत्र में मध्य प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव रघुराज एम. राजेंद्रन ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता करते अपने उद्बोधन में कहा कि तकनीकी शिक्षा, उद्योगोन्मुख कौशल विकास एवं विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में आयोजित यह वर्कशॉप पूरे विद्यार्थियो के लिए उपयोगी रहेगी ।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. आर.पी. तिवारी ने विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ नवाचार, व्यावहारिक कौशल एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। स्वीडन से कई तकनीकी विशेषज्ञों ने ऑनलाइन जुड़कर विद्यार्थियो का मार्गदर्शन किया । उद्घाटन सत्र का प्रमुख आकर्षण स्वीडन से आए चीफ टेक्निकल ऑफिसर पंकज मिश्रा द्वारा व्यावसायिक विकास में कंप्यूटर साइंस इंजीनियर्स एवं सॉफ्टवेयर डेवलपर्स की भूमिका पर केंद्रित तकनीकी संवाद रहा। टेकफेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों के लिए आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 50,000 के पुरस्कार के साथ प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप में प्राथमिकता, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 25,000 के पुरस्कार के साथ इंटर्नशिप में प्राथमिकता तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 10,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वर्कशॉप के संयोजक प्राध्यापक एवं ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी डॉ यशवंत पूरी गोस्वामी ने वर्कशॉप के उद्देश्यों एवं लाभ से परिचित कराया । आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ सन्दीप पाण्डेय ने किया । संचालन प्रो रजनीश चतुर्वेदी द्वारा किया गया । उद्घाटन सत्र में कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ ए के दोहरे, वर्कशॉप के सह समन्वयक प्रो मनोज चौहान,डीन अकादमिक डॉ डी के जैन, डीन छात्र कल्याण डॉ संदीप पाण्डेय, डॉ बी आर घोरमारे सहित विभिन्न प्राध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे ।

जच्चा-बच्चा मौत मामले में एक माह बाद भी नहीं मिली मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट, न्याय के लिए भटक रहा पिता

कलेक्ट्रेट पहुंचे पिता बोले न्याय नहीं दे सकते तो मेरी भी जान ले लो

रीवा।

गांधी मेमोरियल अस्पताल में प्रसव के दौरान 25 वर्षीय कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। बेटी और नाती को खोने के बाद न्याय की लड़ाई लड़ रहे पिता रामशिरोमणि मिश्रा को अब तक मजिस्ट्रियल जांच रिपोर्ट नहीं मिल सकी है। एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट हाथ नहीं आने से आहत पिता बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। उनका आरोप है कि निर्धारित समय-सीमा पूरी होने के बावजूद अधिकारी उन्हें रिपोर्ट उपलब्ध कराने के बजाय लगातार चक्कर कटवा रहे हैं।

कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए रामशिरोमणि मिश्रा का दर्द छलक पड़ा। उन्होंने कहा कि बेटी और नवजात नाती को खोने के बाद वह न्याय की उम्मीद लेकर प्रशासन के दरवाजे पर आ रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने व्यथित होकर यहां तक कह दिया कि अगर प्रशासन उन्हें न्याय नहीं दे सकता, तो इस तरह बार-बार प्रताड़ित करने के बजाय उनकी भी जान ले ले।



15 दिन तक किया था आमरण अनशन, बिगड़ गई थी तबीयत

कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत के बाद से ही रामशिरोमणि मिश्रा न्याय की मांग कर रहे हैं। कार्रवाई की मांग को लेकर उन्होंने रीवा के सिरमौर चौराहे पर अन्न-जल त्यागकर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू कर दिया था। करीब 15 दिनों तक खुले आसमान के नीचे चले इस आंदोलन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बावजूद वह अपनी मांग पर अड़े रहे और मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते रहे। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन ने आंदोलन समाप्त कराया और बीमार पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एमपी टॉस पोर्टल 31 दिसम्बर तक रहेगा खुला

रीवा ।

अनुसूचित जाति तथा जनजातीय कार्य विभाग द्वारा पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता का लाभ दिया जाता है। इसके लिए विद्यार्थी के आवेदन पत्र एमपी टॉस पोर्टल में ऑनलाइन में दर्ज किए जाते हैं। शिक्षण सत्र 2025-26 में विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति तथा आवास सहायता के आवेदन दर्ज करने के लिए एमपी टॉस पोर्टल 31 दिसम्बर तक खुला रहेगा। इस संबंध में जिला संयोजक केके पाण्डेय ने बताया कि शेष छूटे हुए विद्यार्थियों के आवेदन पत्र 31 दिसम्बर तक पोर्टल में दर्ज किए जा रहे हैं। छात्रवृत्ति के नवीनीकरण के आवेदन भी 31 दिसम्बर तक दर्ज हो रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य तथा छात्रवृत्ति के नोडल अधिकारी अंतिम तिथि से पहले सभी पात्र विद्यार्थियों के आवेदन दर्ज कराकर उनका सत्यापन करा दें जिससे विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा सके।

विवेकानंद पार्क से निकलेगा जुलूस, स्वर्ण समाज ने दी आंदोलन की जानकारी

रीवा। यूजीसी कानून के विरोध में देश के विभिन्न हिस्सों में चल रहे विरोध के बीच अब रीवा में भी बड़े प्रदर्शन की तैयारी की जा रही है। आगामी 30 अक्टूबर को प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए देशभर से आंदोलनकारियों के रीवा पहुंचेंगे। शहर के विवेकानंद पार्क में प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा लगेगा, जिसके बाद जुलूस निकालकर यूजीसी कानून के विरोध में आवाज बुलंद की जाएगी। इस संबंध में स्वर्ण समाज की ओर से प्रेस वार्ता कर आंदोलन की जानकारी दी गई। स्वर्ण समाज के प्रतिनिधि सुधीर पाण्डेय ने बताया कि यूजीसी कानून को लेकर समाज के लोगों में



असंतोष है और इसी के विरोध में रीवा में प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। उनका कहना है कि इस आंदोलन के माध्यम से अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक, प्रदर्शन में देश के अलग-अलग क्षेत्रों से लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रेस वार्ता के दौरान स्वर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने सत्ता में बैठे समाज के नेताओं की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जो लोग आज समाज के मुद्दों पर साथ खड़े नहीं हो रहे हैं, उन्हें भविष्य में इसका राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। प्रतिनिधियों ने कहा कि समाज के हितों और मांगों को नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी पहले जातिगत समीकरणों और राम मंदिर के मुद्दे के सहारे सत्ता में आती रही है और अब यूजीसी जैसे कानूनों के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। स्वर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे पर अपनी असहमति जाहिर करते हुए कहा कि समाज की चिंताओं और मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण 10 से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की मांग

यूजीसी कानून के विरोध के साथ ही स्वर्ण समाज ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए लागू 10 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई है। प्रतिनिधियों ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण परिवारों को आरक्षण का लाभ लेने के लिए प्रमाणपत्र बनवाने से लेकर प्रवेश प्रक्रिया तक कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि पात्र लोगों को योजनाओं और आरक्षण का लाभ लेने में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए। स्वर्ण समाज ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण की सीमा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की मांग करते हुए सरकार से इस विषय पर विचार करने की अपील की।

रीवा–आनंद विहार टर्मिनल-रीवा एक्सप्रेस की समय-सारणी में आंशिक संशोधन

जबलपुर।

रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 12427 रीवा–आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 12428 आनंद विहार टर्मिनल–रीवा एक्सप्रेस की समय-सारणी में आंशिक संशोधन किया गया है। उत्तर रेलवे द्वारा किए गए इस संशोधन के अंतर्गत दोनों ट्रेनों के निर्धारित स्टेशनों पर आगमन एवं प्रस्थान के समय में आंशिक बदलाव किया गया है। संशोधित समय-सारणी 28 अक्टूबर 2026 से लागू हो गई है।

गाड़ी संख्या 12427 रीवा–आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस

रीवा स्टेशन से अपने निर्धारित समय शाम 16:20 बजे ही प्रस्थान करेगी। संशोधित समय के अनुसार, गाजियाबाद स्टेशन पर इसका आगमन सुबह 06:18 बजे तथा प्रस्थान 06:20 बजे होगा। आनंद विहार टर्मिनल स्टेशन पर ट्रेन अब सुबह 06:55 बजे पहुँचेगी।

इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 12428 आनंद विहार टर्मिनल–रीवा एक्सप्रेस

आनंद विहार टर्मिनल स्टेशन से रात 22:10 बजे प्रस्थान करेगी। संशोधित समय के अनुसार, गाजियाबाद स्टेशन पर आगमन रात 22:40 बजे एवं प्रस्थान 22:42 बजे तथा अलीगढ़ जंक्शन पर आगमन रात 23:50 बजे एवं प्रस्थान 23:52 बजे होगा।

अगले दिन झिंझक स्टेशन पर ट्रेन का आगमन 02:24 बजे एवं प्रस्थान 02:25 बजे, कानपुर सेंट्रल पर आगमन 03:20 बजे एवं प्रस्थान 03:25 बजे, फतेहपुर पर आगमन 04:20 बजे एवं प्रस्थान 04:22 बजे, सिराथू पर आगमन 04:58 बजे एवं प्रस्थान 05:00 बजे तथा प्रयागराज जंक्शन पर आगमन 06:05 बजे एवं प्रस्थान 06:10 बजे निर्धारित किया गया है।

उक्त स्टेशनों के अतिरिक्त अन्य स्टेशनों पर ट्रेन का आगमन एवं प्रस्थान पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ही रहेगा।

रेल यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित स्टेशनों अथवा रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से ट्रेनों की संशोधित समय-सारणी की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

कलेक्टर ने चार अधिकारियों को दिया नोटिस

मऊगंज। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विकासखंड हनुमना के सीएफटी भवन पिपराही में आयोजित जन विश्वास शिविर में बिना पूर्व सूचना एवं सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर राजेश कुमार ओगरे ने वन विभाग के चार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वन विभाग के ग्रामीण विस्तार अधिकारी, उद्यानिकी विभाग सतेंद्र गौतम, वन परिक्षेत्राधिकारी मऊगंज श्रीमती वर्षा सिंह बिसेन, वन परिक्षेत्राधिकारी हनुमना नयन कुमार तिवारी तथा अनुविभागीय अधिकारी (वन) नरेंद्र कुमार रवि को कारण बताओ जारी किए गए हैं। कलेक्टर ने नोटिस में उल्लेख किया है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविरों में विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति आवश्यक है। इसके अतिरिक्त जिला मुख्यालय में प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई तथा बुधवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की जाती है, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा सुनिश्चित की जा सके। नोटिस में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति को शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही एवं अनुशासनहीनता मानते हुए तीन दिवस के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।



बागेश्वर धाम में इशिका तनेजा ने प्रस्तुत किया श्री महालक्ष्मी धाम का संकल्प

भारतीय सनातनी युवा शक्ति कॉन्क्लेव एवं अवॉर्ड्स 2026 में मुख्य अतिथि रहीं इशिका तनेजा; पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने उनके सनातन सेवा के प्रयासों की सराहना की।

रीवा

बागेश्वर धाम में आयोजित भारतीय सनातनी युवा शक्ति कॉन्क्लेव एवं अवॉर्ड्स 2026 में श्री महालक्ष्मी ट्रस्ट की संस्थापक इशिका तनेजा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और श्री महालक्ष्मी धाम का संकल्प प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने परम पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज को मां महालक्ष्मी का स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। महाराज जी ने इशिका के सनातन धर्म और समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की तथा उन्हें मार्च में आयोजित होने वाले कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया।



इशिका तनेजा की परिकल्पना मां लक्ष्मी की शक्ति को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने की है। श्री महालक्ष्मी गुरुकुल में बेटियों को सनातन संस्कारों के साथ एआई और रोबोटिक्स की शिक्षा देने की योजना है। श्री महालक्ष्मी कन्या अनाथालय के माध्यम से बाल तस्करी और शोषण से प्रभावित बच्चियों को सुरक्षित आश्रय, शिक्षा और बेहतर भविष्य देने का लक्ष्य है। श्री महालक्ष्मी गौशाला में बेसहारा गायों और नर गोवंश की देखभाल की जाएगी। साथ ही, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जाएगा। बागेश्वर धाम में इशिका ने गौशाला और कैंसर अस्पताल से जुड़े सेवा कार्यों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. गौरव शर्मा और मनप्रीत कौर दीदी ने किया। इसमें अनेक संत-महात्मा, धार्मिक व्यक्तित्व और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हुए।

महालक्ष्मी भारत अभियान की यात्रा भारत मंडपम से आगे बढ़ी, जहां केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री इंद्रेश कुमार सहित कई प्रमुख व्यक्तित्वों की उपस्थिति में सनातन धर्म और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विचारों को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।इस अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में विश्व हिंदू परिषद के श्री आलोक कुमार, श्री गोविंद गिरी जी महाराज, श्री सुधांशु जी महाराज, श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज, श्री गंगादास जी और इस्कॉन से जुड़े श्री लोकेश मुनि सहित अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्माओं एवं धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। भारत मंडपम से शुरू हुआ 'अष्टलक्ष्मी से राष्ट्र निर्माण' का संकल्प अब मध्य प्रदेश में रीवा के निकट श्री महालक्ष्मी धाम के रूप में साकार होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्री महालक्ष्मी ट्रस्ट और श्री महालक्ष्मी वर्ल्ड फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा, कन्या कल्याण, गौ सेवा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का लक्ष्य है। इशिका तनेजा का संकल्प है कि आस्था को सेवा और विचार को कार्य में बदलकर बेटियों को सुरक्षा एवं शिक्षा, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और बेसहारा गोवंश को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएं।

डालमिया के हाथों में रीवा सीमेंट प्लांट, अब उत्पादन पटरी पर लाने की तैयारी

स्थानीय वेंडर्स को प्राथमिकता, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर

रीवा। जयप्रकाश एसोसिएट्स के सीमेंट कारोबार के अधिग्रहण के बाद डालमिया भारत लिमिटेड ने रीवा सीमेंट प्लांट के परिचालन को तेजी से बहाल करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। कंपनी का जोर संयंत्र की उत्पादन क्षमता को दोबारा सक्रिय करने, ट्रायल रन सफल बनाने और व्यावसायिक स्तर पर सीमेंट की आपूर्ति शुरू करने पर है। इसके साथ ही कर्मचारियों की निरंतरता बनाए रखने, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को काम देने और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति देने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक, संयंत्र को स्थिर और कुशल तरीके से संचालित करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं, तकनीकी विशेषज्ञता और निवेश पर ध्यान दिया जा रहा है। डालमिया भारत सीमेंट उद्योग में अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए रीवा में परिचालन का मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। बुधवार को रीवा के साया जी होटल में एक प्रेस मीट आयोजित की गई, जिसमें कंपनी के उद्देश्य के विषय में चर्चा हुई। कंपनी की प्राथमिकताओं में स्थानीय कर्मचारियों, कारोबारियों, आपूर्तिकर्ताओं और समुदायों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना भी शामिल है। डालमिया भारत के मुताबिक, 85 वर्ष से अधिक की विरासत वाली कंपनी देश की चौथी सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनियों में शामिल है। कंपनी की 12 राज्यों में 19 निर्माण इकाइयां हैं, जिनकी स्थापित सीमेंट उत्पादन क्षमता 54.7 मिलियन टन प्रतिवर्ष बताई गई है। रीवा में परिचालन बहाली, स्थानीय कर्मचारियों और आपूर्तिकर्ताओं की भागीदारी तथा सामुदायिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर कंपनी संयंत्र के दीर्घकालिक विकास की नींव मजबूत करना चाहती है। वहीं, सतना में प्रस्तावित खनन परियोजना को लेकर स्थानीय हितधारकों के साथ संवाद बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है।





2,850 करोड़ रुपए के एंटरप्राइज वैल्यू पर हुआ अधिग्रहण

डालमिया भारत ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड के माध्यम से जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के सीमेंट कारोबार का 2,850 करोड़ रुपए के एंटरप्राइज वैल्यू पर अधिग्रहण किया है। यह सौदा जयप्रकाश एसोसिएट्स को दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत अडाणी समूह द्वारा अधिग्रहित किए जाने के बाद पूरा हुआ। इस अधिग्रहण में कुल 5.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की संयुक्त सीमेंट उत्पादन क्षमता वाले चार संयंत्र शामिल हैं। इनमें मध्यप्रदेश का रीवा और उत्तरप्रदेश के चुर्क, चुनार तथा सदवा स्थित संयंत्र शामिल हैं।

1,311 स्थायी कर्मचारी, 1,322 अनुबंध श्रमिक कार्यरत

संयंत्र के परिचालन को बहाल करने की प्रक्रिया में कर्मचारियों की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कंपनी के अनुसार, अधिग्रहित परिचालनों में वर्तमान में 1,311 स्थायी कर्मचारी और 1,322 अनुबंध श्रमिक कार्यरत हैं। कंपनी का कहना है कि दोनों श्रेणियों के कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान किया जा रहा है, जिससे कार्यबल की निरंतरता और परिचालन स्थिरता बनाए रखने में मदद मिली है। इसके साथ ही डालमिया भारत ने रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज से ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी की भर्ती भी की है। कंपनी स्थानीय वेंडर्स और आपूर्तिकर्ताओं को प्राथमिकता देने की बात कह रही है, ताकि संयंत्र की जरूरतों के साथ स्थानीय कारोबार को भी लाभ मिल सके।

संयंत्र को रीवा की पहचान बनाने का लक्ष्य

रीवा सीमेंट प्लांट की योजनाओं पर डालमिया सीमेंट के कार्यपालक निदेशक एवं सेंट्रल क्लस्टर प्रमुख मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी की पहली प्राथमिकता संयंत्र का स्थिर और कुशल परिचालन स्थापित करना है। इसके लिए डालमिया भारत अपने दशकों के सीमेंट निर्माण अनुभव का उपयोग करते हुए आवश्यक निवेश, प्रक्रियाएं और तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध करा रही है। उनके अनुसार, बेहतर तरीके से संचालित संयंत्र स्थानीय कर्मचारियों, विक्रेताओं और व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। कंपनी संयंत्र की क्षमता का पूरा उपयोग करने और इसे रीवा के लोगों के लिए गर्व का स्रोत बनाने के उद्देश्य से प्रशासन तथा स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करना चाहती है।